ना जाने कौन सा रिश्ता | By Anant Haridasi Didi Meenu Sharma

ना जाने कौन सा रिश्ता मेरा बाबा निभाता है
अगर राहों में गिर जाऊं वो आकर के उठाता है
ना जाने कौन सा रिश्ता मेरा मोहन निभाता है

कभी बाबुल कभी मैया कभी भैया बना मेरा
मैं हंसती हूँ तो हँसता हैं, मैं रो दूँ तो मनाता है

सदा संग है मेरे बाबा यही महसूस होता है
वो बन राही सांवरिया जी मुझे रस्ता दिखाता है

रसिक दरकार ना मुझको ये झूठे प्यार वालों की
मेरा सब कुछ है सांवरिया, जो इतना प्रेम लुटाता है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8c%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%be-by-meenu-sharma/